इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

NAME - Akanksha Garhwal
Date - 20 Feb 2024
PAPER - I - FLT (History + Geo)
email - akankshagarhwal44@gmail.com

INDORE KAUTILYA ACADEMY

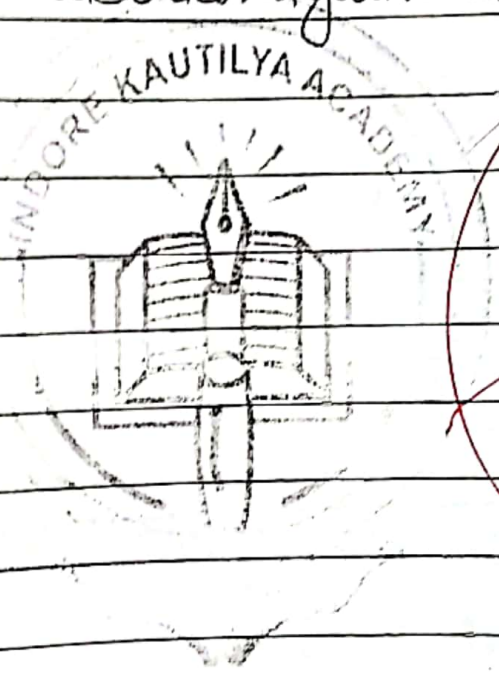

160/300

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks 3X15=

प्रश्न (1.1) — शासन काल

उत्तर — चन्द्रगुप्त द्वितीय - गुप्त साम्राज्य का महान शासक
- विक्रमादित्य की उपाधि प्राप्त, शक शासन की समाप्ति की। महरौली का लौह स्तंभ का निर्माण करवाया।

(2)

प्रश्न (1.2) — स्रोत/ खोजकर्ता

उत्तर — हड़प्पा कालीन बंदरगाही स्थल है - लोथल
- यहां से प्रसिद्ध गोदीवाड़ा के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र भी था, जो वर्तमान गुजरात राज्य में अवस्थित है।

(1½)

प्रश्न (1.3)

उत्तर

0

प्रश्न (1.4) — शासनकाल

उत्तर — सैय्यद वंश का संस्थापक खिज्र खां था। इसने सुल्तान उपाधि न अपनाकर रैयत-ए-आला की उपाधि ग्रहण की।

(2)

प्रश्न (1.5) — समय?

उत्तर — मुगल काल में शासक जहाँगीर की पत्नि थी जिसका वास्तविक नाम - मेहरुन्निसा था।
- प्रमुख निर्माण - एतमाउद्दौला का मकबरा जिसमें पित्रदुरा शैली का प्रथम प्रयोग किया गया।

(2)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1
Question.1

इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दो में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंको का है।
This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory
Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (1.6)

उत्तर 1920 में असहयोग आंदोलन चलाये जाने के निर्णय हेतु गठित नागपुर अधिवेशन।
अध्यक्षता -
निर्णय - कांग्रेस में शामिल होने हेतु नियमों की परिवर्तन

अधिवेशन अध्यक्ष
1

प्रश्न (1.7)

उत्तर उड़ीसा में घटित विद्रोह, 1890
प्रमुख नेतृत्व - सिद्धू कान्हू
कारण - जमींदारों की शोषण प्रवृत्ति के विरोध में

2

प्रश्न (1.8)

उत्तर 1907 में सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता रासबिहारी घोस ने की।
- बंगाल विभाजन चलाये जाने एवं अध्यक्ष के मुद्दे पर विवाद से कांग्रेस में विभाजन।

2

प्रश्न (1.9)

उत्तर 1857 की क्रांति के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी।
रानी लक्ष्मीबाई के शासन संचालन में मदद की।
अंग्रेजों द्वारा शिवपुरी में फांसी दे दी गई।

1857 महत्व
2

प्रश्न (1.10)

उत्तर गढ़ मण्डला के शासक संग्रामसिंह की विधवा पत्नि थी।
मुगलों के विरुद्ध युद्ध में पराजित हुई।
- मण्डला में दुर्गावती की समाधि है।

समय उपलब्धि
2

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अतिलघुउत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (1.11)
K
उत्तर

प्रश्न (1.12)
L
उत्तर

प्रश्न (1.13)
M
उत्तर
फ्रांस की क्रांति के दौरान दार्शनिक वाल्टेयर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है।
इसके अनुसार - राज्यों को दूसरे देशों की सीमा सम्मान द्वारा शासन करना चाहिए।

2

प्रश्न (1.14)
M
उत्तर
शफेक पुनर्जागरण कालीन साहित्यकार है।

½

प्रश्न (1.15)
O
उत्तर
अश्वघोष - बाणभट्ट की कृति है, जिसे हर्षवर्धन के शासनकाल में रचित किया गया था।

0

Scanned with CamScanner

प्रश्न (2.1)

A

उत्तर

9 वी, 10 वी सदी के मध्य उत्पन्न बौद्धिक प्रवृत्तियां जिसने संपूर्ण यूरोप के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक धार्मिक क्षेत्र में परिवर्तन लाया, पुनर्जागरण कहलाता है।

समय ?

प्रभाव : 1) जिज्ञासा, साहसिकता में वृद्धि आई फलतः भौगोलिक खोजे, नए मार्ग सामने आए।

2) बहुमुखी प्रतिभा का जन्म होने से लियोनार्दो द विंची जैसे कलाकारों का प्रभाव बढ़ा।

3) कला संस्कृति संरक्षण मानववाद व्यक्तिवाद की महत्ता से नए बौद्धिक वर्गों का जन्म हुआ।

4) मुख्यतः मध्यकालीन चर्च व्यवस्था पर चोट हुई एवं बौद्धिकता, वास्तविकता का महत्व बढ़ा।

निष्कर्षतः पुनर्जागरण ने यूरोप ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में ज्ञान का प्रसार किया।

3

Scanned with CamScanner

प्र . 2 निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ) अंकों का है।

Question.2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.2)

समय

उत्तर औद्योगिक क्रांति के तहत नए उद्योगों एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि से संपन्नता एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित हुआ। इस हेतु सर्वप्रथम इंग्लैण्ड में क्रांति के उद्भव के कई कारण निहित हैं:

- भौगोलिक अवस्थिति – बंदरगाही शहर, समुद्रों से घिरी स्थिति,
- औपनिवेशिक स्थिति – भारत, श्रीलंका जैसे उपनिवेश होने से कच्चा माल प्राप्ति आसान व सस्ती हुई।
- संवैधानिक संस्था का विकास – यूरोप में सर्वप्रथम संविधान विकास होने से कार्यप्रणाली आसान हुई।
- नए वैज्ञानिक खोजें – रेलवे का विकास आदि।
- कृषि क्रांति – एक नामक व्यक्ति सीडड्रिल का आविष्कार
- अतः कृषि संपन्न अवस्था में थी।

निष्कर्षतः उपरोक्त परिस्थितियों से इंग्लैण्ड में संपन्नता आई।

4

Scanned with CamScanner

प्रश्न . 2 निम्नलिखित मे किन्ही 10 प्रश्नो के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ:) अंको का है।

Question.2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.3)

उत्तर फ्रांस मे क्रांति मूलतः उच्च वर्ग एवं निम्न व मध्य वर्ग के बीच असमानता के मूल कारण मे निहित थी। इस क्रांति हेतु आर्थिक परिस्थितियां निम्न है:

- उच्च वर्ग (पादरी, चर्च संबंधित लोगों) कर मुक्त वर्ग था तो वही मध्यम एवं निम्न वर्ग करदाता।
- निम्न वर्ग (किसान, मजदूर) की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी थी, जिससे वह क्रांति हेतु अग्रसर था।
- मध्यम वर्ग संपन्नता के बावजूद अपनी सामाजिक स्थिति को उच्च बनाने हेतु आकांक्षित था।
- फ्रांस मे निरंकुश शासन मंहगाई से राज्य में जनता वर्ग असंतुष्ट था।

निष्कर्षतः यह क्रांति मूलतः आर्थिक विषमता [illegible] [illegible] के [illegible] परिप्रेक्ष्य में संपन्न हुई।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.4)

2350-1750

उत्तर सिंधु घाटी सभ्यता मूलतः एक नगरीय सभ्यता थी जो आर्थिक तौर पर संपन्नता लिए हुए थी।

अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ:

- कृषि एवं पशुपालन दोनों कार्य किए जाते थे।
- कृषि अधिशेष की स्थिति से शिल्पों का उदय हुआ, वस्तुतः श्रम का विभाजन एवं विशेषीकरण मौजूद था।
- आंतरिक व बाह्य व्यापार - स्थल एवं जल मार्ग द्वारा, बाह्य व्यापार के तहत सीप, हाथी दांत, रेशम, मसाले आदि अफगानिस्तान, ईरान आदि देश निर्यात किये जाते थे।
- मुद्रा की वस्तु विनिमय प्रणाली मौजूद थी।
- हस्तशिल्प उद्योग संपन्नता मौजूद थी।

निष्कर्षतः अर्थव्यवस्था सिंधु सभ्यता के पक्ष में संतुलित थी।

कृषि —
पशुपालन
व्यापार
अन्य -

2

Scanned with CamScanner

Question.2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.5)

उत्तर उत्तरवैदिक काल के पश्चात लौह युग विकास से समाज में बौद्ध एवं जैन धर्म का उदय हुआ जिनमें कुछ समानताएं एवं असमानताएं है :

बौद्ध धर्म	जैन धर्म
- अनात्मवाद संकल्पना	स्वीकार किया गया।
- चार आर्य सत्य, त्रिरत्न	पंचव्रत,
अष्टांगिक मार्ग	संथारा, सल्लेखना
- प्रतीत्यसमुत्पाद	आत्मा में विश्वास
- विभाजन हीनयान एवं	दिगम्बर - श्वेताम्बर
महायान शाखा	विचारधारा
- मोक्ष प्राप्ति मार्ग	निर्वाण प्राप्ति मार्ग
- आडम्बरो कर्मकाण्ड पर	ईश्वरीय शक्ति स्वीकार नहीं
चोट, अनीश्वरवादी	

(3)

Scanned with CamScanner

प्रश्न . 2 निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ:) अंकों का है।
Question 2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.6)

F

उत्तर कलिंग युद्ध पश्चात बौद्ध धर्म स्वीकारने के परिणाम-स्वरूप अशोक ने धम्म की स्थापना की।
- 'आपासिनव बहुकयाने दया दाने सचे सोचने माद्दवे साधवे च' के माध्यम से धम्म को पहचाना।
- धम्म के तहत बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रचार प्रसार किया गया।
- अशोक द्वारा कई शिलालेख, स्तम्भलेख एवं अभिलेखों का निर्माण किया गया।
- धम्म प्रचार हेतु धम्म महामात्र नामक व्यक्ति नियुक्त एवं अपने पुत्र पुत्री को विदेश भेजा।
- प्रजा के प्रति जनकल्याणकारी कार्य (जैसे- चिकित्सालय, सरायों, कुओं आदि का निर्माण)
- धम्म के माध्यम से अहिंसा का पाठ सिखाया।
निष्कर्षतः धम्म एक धर्म न होकर संहिता थी।

6

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2 Question 2

निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.7)

6

उत्तर यह बाजार नियंत्रण व्यवस्था मूलतः बरनी के अनुसार सैन्य आवश्यकता से प्रेरित थी। जिसके तहत बाजार निर्माण कर वस्तुओं के मूल्य में स्थिरता लाई गई।

घटक : (1) नए बाजारों का निर्माण –

- घोड़े, पशु, दास हेतु पृथक बाजार का निर्माण व दाम तय, ताकि भ्रष्टाचार का अंत हो सके।
- परवानानवीस नामक अधिकारी की नियुक्ति की
- सराय अदल, शहना ए मंडी के तहत अनाज बाजार तैयार किए गए।

(2) नौकरशाही का गठन – शहना अधिकारी, व्यक्तिगत गुप्तचर (मुन्हियान), बाजार गुप्तचर (बरीद) इसके अलावा 7 प्रकार के अधिनियम का गठन।

निष्कर्षतः बाजार व्यवस्था से शासन के भूराजस्व में वृद्धि एवं साम्राज्य विस्तार सुनिश्चित हुआ।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रश्न : 2 निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2 Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.8)

I

उत्तर अकबर की उदारता एवं सहिष्णुता का मूल कारण उसकी धार्मिक नीति थी, जिसे सुलह-ए-कुल भी कहा जाता है। इसके अनुसार साम्राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता, शांति, समन्वय एवं सभी वर्गों में जुड़ाव पैदा किया गया।

धार्मिक/सुलह-ए-कुल नीति के तहत उठाये कदम :

(1) 1562- दास प्रथा उन्मूलन, 1563- तीर्थयात्रा कर समाप्ति, 1564- जजिया कर समाप्ति, राजपूत रानियों के प्रति धार्मिक सहिष्णुता एवं स्वयं अकबर द्वारा तीर्थ यात्रा

(2) 1575- इबादतखाने की स्थापना- जहाँ प्रत्येक धर्म के बीच वार्तालाप में विवाद किया जाता था।

(3) महज़र की घोषणा (1579) के माध्यम से धार्मिक व्याख्या का अंतिम व्याख्याकार स्वयं को घोषित किया

(4) दीन-ए-इलाही के तहत नैतिक नियमों का निर्माण।

1582

अतः यह नीति अकबर को महान शासक घोषित करती है

4 3½

प्रश्नोत्तर पुस्तिका बारकोड / QR CODE /

प्रश्न . 2
Question.2

निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।
Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.9)

K

उत्तर खजुराहो वर्तमान मध्यप्रदेश के छतरपुर राज्य में अवस्थित एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक धरोहर है। जिसका निर्माण 9वीं-10वीं सदी में चंदेल शासकों द्वारा करवाया गया था।

1986 - सन् 1983 में इसे यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया था।

- यह जैन, शैव, वैष्णव धर्म से संबंधित मंदिरों का एक समूह है जो मूलतः नागर शैली में निर्मित किए गए हैं।
- शैव धर्म - कंदरिया महादेव मंदिर प्रसिद्ध मंदिर है।
- यहां रतिक्रिया संबंधी आकृतियां विशेष आकर्षण
- पर्यटन दृष्टि से यहां हवाई पट्टी का भी निर्माण किया गया है।

3

प्रश्न 2
Question.2

निम्नलिखित में किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ) अंकों का है।
Write the answers of any 10 of the following questions in maximum 100 words. Each question carries 6 (Six) marks.

6x

प्रश्न (2.10)

L

उत्तर भोज-परमार वंश के संस्थापक एवं महान शासक व नेतृत्वकर्ता थे।
इन्होंने - भोपाल शहर की स्थापना, भोजताल झील का निर्माण, सरस्वती मंदिर की स्थापना एवं वहां एक शिक्षण स्थल का भी निर्माण करवाया है।
- राजा भोज के दरबार में लगभग 500 विद्वान शामिल थे जिन्होंने कई साहित्यिक कृति की रचना की। स्वयं भोज एक विद्वान कलाकार थे।

2½

केन्द्र 06/12

प्रश्नोत्तर पुस्तिका बारकोड / QR CODE /

प्रश्न . 3 इस प्रश्न में उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में देना है, सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 15 (पन्द्रह) अंकों का है।

Question.3 There are 03 sub-question in this question, each has to be answered in maximum 300 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicity before the answer. Each question carries 15 (fifteen marks)

प्रश्न: (3.1)

A)

उत्तर :

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) मूलतः मित्र राष्ट्रों एवं धुरी राष्ट्रों के मध्य साम्राज्यवादी आकांक्षाओं का परिणाम था।

इस युद्ध का तात्कालिक कारण आस्ट्रिया द्वारा सर्बिया पर आक्रमण करना था, जिससे युद्ध की शुरुआत हुई।

अन्य प्रमुख कारण:

- साम्राज्यवादी आकांक्षा - बिस्मार्क द्वारा राज्य सीमा विस्तार पर रोक के पश्चात नये शासक कैसर की महत्वकांक्षा
- इटली, जर्मनी द्वारा साम्राज्य विस्तार के प्रति प्रेरित होना।
- आर्थिक कारण: आर्थिक संपन्नता एवं पूर्ववर्ती घटनाओं से युद्ध का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का अभाव:

राष्ट्रसंघ जैसी संस्थाओं की मौजूदगी नहीं थी जो राष्ट्रों की महत्वकांक्षाओं को रोक सके।

Scanned with CamScanner

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

- शस्त्रीकरण पर बल - जर्मनी, इटली द्वारा नए शस्त्रों के व्यापार एवं निर्माण पर ध्यान दिया जाना।
- तमाम कारणों से प्रथम युद्ध संपन्न हुए जिससे कई विविध प्रभाव सामने आए -

1) आर्थिक प्रभाव :
- व्यापारिक गतिविधियां बाधित हुई। वस्तुतः हवाई हमलों से फैक्टरी कारखाने क्षतिग्रस्त हुए। उत्पादन में कमी आई फलतः मूल्य वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप मूल्य गिरावट एवं अवमूल्यन की स्थिति
- अमेरिका में आई आर्थिक मंदी का यूरोप पर प्रभाव पड़ा। वस्तुतः यूरोप में अमेरिकी निवेश में वृद्धि हुई थी।

2) सामाजिक प्रभाव -
- मानव संसाधन की व्यापक क्षति हुई, करोड़ो सैनिक, नागरिक मृत्यु हुई। शवों की उत्तम व्यवस्था के अभाव से बीमारियां जनित हुई जैसे - हैजा, प्लेग आदि।
- महिला अधिकारों में वृद्धि, पुरुषों के युद्ध में शामिल होने से व्यापारिक गतिविधि से जुड़ी मताधिकार प्राप्ति।

Scanned with CamScanner

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

- वैज्ञानिक तकनीकी अनुसंधान व विकास में वृद्धि हुई।
- नस्लीय भेदभाव में कमी, चूंकि श्वेत-अश्वेत सैनिक एक साथ युद्ध में शामिल
- श्रमिक अधिकारों में वृद्धि

3) राजनीतिक प्रभाव –

- ऑटोमन साम्राज्य का विघटन
- राजतंत्रों की समाप्ति – जर्मनी – हैहेनजोलेर्न वंश, रूस – रोमानोव वंश आदि।
- राष्ट्रसंघ जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना
- अमेरिका का यूरोप की राजनीति में प्रवेश
- नाजीवाद, फासीवाद उदय

निष्कर्षतः प्रथम विश्व युद्ध के प्रभावों ने अस्थायी तौर पर विराम परन्तु वैश्विक परिदृश्य की स्थिति ऊपर नकारात्मक प्रभाव डाला।

9

प्रश्न 3 इस प्रश्न में उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 15 (पन्द्रह) अंकों का है।

Question 3 There are 03 sub-question in this question, each has to be answered in maximum 300 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicity before the answer. Each question carries 15 (fifteen marks)

प्रश्न: (3.2)

B

उत्तर:

मौर्य वंश का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य एक महान शासक, विद्वान, कला संरक्षण कर्ता एवं धार्मिक व्यक्ति था। अंतिम दिनों में उन्होंने जैन धर्म अपनाकर श्रवणबेलगोला में जीवन व्यतीत किया।

चन्द्रगुप्त की प्रशासनिक नीति के अन्तर्गत उसने शासन को कई वर्गों/भागों में विभाजित किया। जिसमें केन्द्रीयकृत एवं विकेन्द्रीयकृत नीति परिलक्षित होती है।

केन्द्रीकृत नीति → शासन का केन्द्रीयकरण
→ नगरों का निर्माण (जैसे - पाटलिपुत्र)
→ राजस्व/वित्तीय नीति

→ विकेन्द्रीकृत नीति → के तहत शासन में गुप्तचर व्यवस्था एवं शासन संशोधन किया।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

प्रश्न (3.2) Continued (जारी)

इन तमाम नीतियों का वर्णन मेगस्थनीज की इंडिका में निहित है।

वस्तुतः चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने शासन प्रशासन को मजबूत करने हेतु सीताध्यक्ष, पण्याध्यक्ष, आकराध्यक्ष जैसे पदों का निर्माण किया।

4

उत्तम
प्रयास
करें

Scanned with CamScanner

Question.3

इस प्रश्न में उप प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 15 (पन्द्रह) अंकों का है।

There are 03 sub-question in this question, each has to be answered in maximum 300 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicity before the answer. Each question carries 15 (fifteen marks)

प्रश्न: (3.3)

C

उत्तर: मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र काफी विविधतापूर्ण एवं विस्तारित है। चूँकि भारत का यह हृदय स्थल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, धार्मिक रूप से विशिष्ट है अतः यहाँ कई दार्शनिक स्थलों की मौजूदगी देखी जा सकती है:

1) खजुराहो — 9-10 वी. सदी में चंदेल शासकों द्वारा निर्मित (छतरपुर)
- शैव वैष्णव जैन मंदिर - नागर शैली विशिष्ट
- रतिक्रिया स्थापत्यों की विशेषता
- 1983 - यूनेस्को में शामिल 1986

2) सांची — रायसेन में अवस्थित
- प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप, जहाँ बुद्ध के अस्थियों की मौजूदगी
- अशोक द्वारा निर्मित, 1986 - यूनेस्को में शामिल।

प्रश्न (3.3) Continued (जारी)

3) भीमबेटका - 2003 में यूनेस्को में शामिल
└ पुरापाषाण कालीन शैल चित्रों की मौजूदगी
→ खोज - वाकणकर द्वारा

3) अमरकंटक - विंध्य श्रेणी में मौजूद स्थल
- नर्मदा, सोन का उद्गम स्थल
- 2005 में पवित्र शहर/स्थल घोषित

4) बावनगजा - प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल
└ दिगम्बर ऋषि ऋषभदेव की 72 मी. ऊँची प्रतिमा, (बड़वानी)

5) मुक्तागिरी - जैन तीर्थ स्थल, जहाँ लगभग 72 जैन मंदिर मौजूद हैं, दिगम्बर संबंधित

6) सोनगिरि - जैन तीर्थ स्थल, 108 मंदिर (दिगम्बर) की मौजूदगी (दतिया)

7) उदयगिरि - विदिशा में जैन तीर्थ स्थल

8) भरहुत - सतना में बौद्ध स्तूप

9)

इन तमाम धार्मिक स्थलों के अलावा ओंकारेश्वर (खण्डवा) में ज्योतिर्लिंग अवस्थित है जो पवित्र नगर की श्रेणी में है, उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर, निवाड़ी जिले में ओरछा एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रश्न (3.3) Continued (जारी)

निष्कर्षतः पर्यटन नीति 2010 के माध्यम से इन स्थलों के प्रचार प्रसार व पुनर्स्थापन से पर्यटन क्षेत्र को विकसित किया जा सकता है।

8

Scanned with CamScanner

PART- B

महासागर के दोनों ओर उथले क्षेत्र से नीचे निर्मित इसका क्षेत्र गहरा

महासागर का सबसे गहरा स्थान गर्त कहलाता है। जैसे- मेरियाना गर्त- सर्वाधिक गहरा महासागरीय गर्त है जो प्रशांत महासागर में है। 11,022

शोला वन- एक उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन है। मुख्यतः अमेजन एवं विषुवत रेखीय क्षेत्र में पाये जाते हैं। व्यवसायिक उद्देश्यों हेतु आर्थिक महत्व अधिक है।

लैपोलिथ एक ज्वालामुखीय निर्मित आकृति है जो मुख्यतः उद्ग्राहित हुए लावा के द्वारा निर्मित होती है।

एल्बिडो प्रभाव अनुपात में पृथ्वी में एक सूर्य के प्रकाश के परावर्तन की मात्रा अवशोषण की मात्रा से अधिक होता है।

हाइड्रोजन ऊर्जा- मुख्यतः नाभिकीय संलयन के द्वारा निर्मित ऊर्जा है।

→ हाइड्रोजन बम बनाने में उपयोग
- हाइड्रोजन नीति 2025 क्रियान्वित

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

F पूर्व का बोस्टन – अहमदाबाद शहर को कहा जाता है
– वस्त्र उद्योग विकास की विशेषता के कारण

(2)

G हिमालयी अवस्थिति ध्रुवीय क्षेत्रों में पाये जाने वाले वन, अक्षांशीय स्थिति 60° – 90° उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांश
वन – रोजवुड, चीड़ वन, शंकुधारी वन आदि।

(3)

H पालघाट दर्रा दक्षिण क्षेत्र का प्रमुख दर्रा
– मद्रास एवं केरल के मध्य

(3)

I पृथ्वी पर सूर्य की किरणों को अवशोषित कर तापमान को स्थिर बनाए रखने वाली गैस।
प्रमुख गैस – कार्बनडाईऑक्साइड, CH_4, जलवाष्प, N_2O आदि।
नाइट्रस

(2)

J दून – देहरादून जैसे क्षेत्र जो शिवालिक हिमालय के प्रभी क्षेत्र में अवस्थित हैं
डुआर – हरिद्वार
घाटियां

(1)

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

K पृथ्वी के भीतर क्षेत्र की ऊपरी परत जो कई कैंकड़ो
रंगहीन कणों से मिलकर बना है।
जैसे - अनोर, काली, कान, मेटराइट, पन्नीरिप
महान्यकीय गुना आदि।

L बलराम तालाब योजना - 2007 में शुरू मध्यप्रदेश
की महत्वकांक्षी योजना
- उद्देश्य - जल संग्रहण एवं प्रबंधन

M यह छोटी मध्यप्रदेश - छत्तीसगढ़ में अवस्थित है
सर्वोच्च चोटी - महादेव पहाड़ी पर स्थित धूपगढ़
जिसकी ऊँचाई 1050 मी. है।
उत्तर में नर्मदा सोन घाटी अवस्थित है।

N - सर्वाधिक जनसंख्या - इंदौर, भोपाल, जबलपुर,
ग्वालियर, छिन्दवाड़ा है।

O - सतपुड़ा विद्युत केन्द्र (होशंगाबाद)
- बीरसिंहपुर विद्युत केन्द्र (उमरिया)
- सारनी विद्युत केन्द्र (होशंगाबाद)

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

A

समप्राय मैदान मुख्यतः नदियों द्वारा निर्मित स्थलाकृति है जो मूलतः अपरदन के माध्यम से निर्मित होते है।

ऐसे मैदान मुख्यतः भारत के उत्तरी मैदान में पाये जाते है जो गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र आदि नदियों द्वारा अपरदित होकर निर्मित होते है। ये वास्तव में एक उपजाऊ क्षेत्र है एवं विशिष्ट स्थलाकृति है।

3

KAUTILYA

Scanned with CamScanner

3 नर्मदा सोन घाटी मध्यप्रदेश का प्रमुख क्षेत्र है। Ans

अवस्थिति - दक्षिण में सतपुड़ा मैकाल श्रेणी, उत्तर-पश्चिम में मालवा का पठार, पूर्व में बघेलखण्ड एवं उत्तर पूर्व में रीवा पन्ना का पठार स्थित है।

- यह एक अपवाह क्षेत्र है जो मुख्यतः नर्मदा एवं सोन नदी के अपवाह क्षेत्र से संबंधित है।

- प्रमुख शहर - होशंगाबाद, मण्डला, जबलपुर, कटनी, हरदा, खरगौन, नरसिंहपुर, उमरिया, बड़वानी आदि।

- जलवायु - ग्रीष्म ऋतु में साधारण गर्म एवं शीत ऋतु में साधारण ठंडा।

- वन - सागौन वन की प्रमुखता

- वर्षा - 75-100 से.मी.

3½

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

C

रीवा पन्ना का पठार मध्यप्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में अवस्थित है। यह मध्य भारत के पठार का हिस्सा है।

अवस्थिति – दक्षिण-पश्चिम में मध्य भारत का पठार उत्तर-पश्चिम में मालवा का पठार, दक्षिण पश्चिम में बघेलखण्ड का पठार अवस्थित है।

इसे विन्ध्य क्षेत्र का पठार भी कहा जाता है।

वर्षा – 50-75 से.मी. 100+

जलवायु – गर्मी में शुष्क एवं शीतऋतु में आर्द्र ठंड

प्रमुख शहर – सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली आदि

2

महीमा उत्पादन
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान
खदान

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

D

नर्मदा घाटी परियोजना एवं इन्द्रा सागर परियोजना दोनो का संबंध नर्मदा नदी से संबंधित है यह क्रमशः नर्मदापुरम संभाग एवं खण्डवा जिलो से संबंधित है।

1984

नर्मदा घाटी परियोजना :- 1984 में शुरू किया गया।
↳ लाभान्वित जिले - होशंगाबाद, नरसिंहपुर, हरदा, देवास, बैतूल, जबलपुर, मण्डला आदि।
→ विद्युत उत्पादन किया जाता है जो संबंधित जिलों में लाभान्वित है। बरगी, बांध, बरगी बांध।

इन्दिरा सागर परियोजना - लाभान्वित जिले - बुरहानपुर, खण्डवा, आदि।
- इस पर इंदिरा सागर बांध अवस्थित है।

क्षमता बताते

3

खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर है जिसे 5 बार कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

वस्तुतः सोयाबीन एवं धान यहाँ की मुख्य फसलें हैं। जहाँ सोयाबीन उत्पादन में म०प्र० प्रथम स्थान पर है। प्रमुख जिले - उज्जैन, देवास, इन्दौर आदि। यहाँ एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन संयंत्र अवस्थित है।

धान उत्पादक क्षेत्र - मण्डला, जबलपुर, बालाघाट, खण्डवा, बुरहानपुर आदि है।

धान प्रमुख खरीफ की फसल है एवं म०प्र० प्रमुख धान निर्यातक राज्य बना है।

यहाँ धान की खेती हेतु सिंचाई व्यवस्था की व्यवस्था मौजूद है।

Scanned with CamScanner

पर्वतीय वर्षा: इस वर्षा की उत्पत्ति पर्वतीय क्षेत्रों में निचले स्थान पर निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनने के फलस्वरूप होती है।

- निम्न वायुदाब पवनें पर्वतों के ढाल के सहारे ऊपर पहुँचकर वर्षा करवाती है।
- महत्व - पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि हेतु अत्यधिक लाभदायक।
- नदियों की बारहमासी एवं स्थिति बनी रहती है।

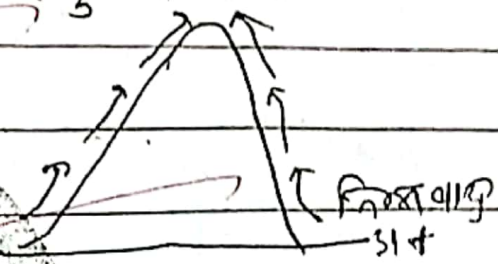

I

वर्ष 2004 में भारत के हिन्द महासागर में आई सुनामी एवं विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के रूप में जानी जाती है।

कारण – हिन्द महासागर के तल में भूकम्प आने से समुद्रीय तरंगों के वेग में तीव्रता आना।

प्रभाव – लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु
- कई लाखों लोग बेघर एवं प्रभावित
- तटीय क्षेत्र अस्तव्यस्त, अवसंरचनात्मक हानि।

निवारण – आपदा प्रबंधन एक द्वारा घटना पश्चात निवारक कार्यवाही।

इस आपदा के पश्चात ही 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम एवं प्राधिकरण का गठन किया गया।

4

Scanned with CamScanner

ऐसी कृषि जो निश्चित क्षेत्र में समय अनुरूप अल्प समय में अधिक उत्पादन प्राप्ति हेतु की जाती है, गहन कृषि कहलाती है।
भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्रों में गहन कृषि की महत्ता है।

प्रभाव / लाभ :→ उत्पादकता में वृद्धि।
→ कृषक आय में वृद्धि एवं निर्यात वृद्धि।
→ मृदा संरक्षण एवं उत्पादकता में उन्नयन।
→ कृषि विविधीकरण मुमकिन
→ खाद्यान्न निर्भरता एवं संतुलन

नकारात्मक असर → कृषि अवशेष निस्तारण में कमी
→ पशुचारण समस्या।

निष्कर्षतः गहन कृषि कृषक आय दोगुना करने में कारगर है।

इन्दौर कौटिल्य एकडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका

(Mains Answer Sheet)

दक्षिणी हिन्द महासागर की दो प्रमुख धाराएँ हैं:

1) अगुलहास धारा 2)

यह ठंडी हिन्द महासागरीय धारा है।

पूर्ण करें

Head Office : Rajwada Chowk, Indore : 0731- 4083933, 9111100925

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 4

आसमान में वर्षा ऋतु के दौरान एवं पश्चात उत्पन्न होने वाली आकाशीय विद्युत तरंगो को तड़ित झंझा कहा जाता है।

प्रभाव → वनाग्नि संभव एवं विस्तार
- विद्युत प्रणाली पर नकारात्मक असर
- जनहानि, पशुओं पर प्रभाव
- आवासों के विद्युत उपकरणों पर असर

बचाव → किसी वृक्ष के नीचे खड़े न होना।
- विद्युत संयंत्र से दूर रहना।
- खुले आसमान के नीचे आने से बचना।
- वर्षा के दौरान विद्युत संयंत्रों को बंद रखना आदि।

निष्कर्षतः यह एक सामान्य घटना है परन्तु लापरवाही के कारण जनहानि का कारण बन सकती है।

5

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

मृदा अपरदन से तात्पर्य है, जलीय एवं वायवीय कारकों के माध्यम से मृदा की ऊपरी सतह का कमजोर होना। यह मानवीय कारकों के परिणामस्वरूप भी घटित होती है

मध्यप्रदेश में मृदा अपरदन एक प्रमुख व दीर्घकालीन समस्या है। जिसके तहत –

– नर्मदा एवं सोन नदी क्षेत्र
– चम्बल एवं घाटीय क्षेत्र
– उत्तरी चंबल क्षेत्र, – भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी प्रमुख तौर पर प्रभावित क्षेत्र है। जहाँ मृदा अपरदन की घटना आए दिन घटित होती रहती है।

इस समस्या का प्रमुख कारण –

प्राकृतिक कारण	मानवीय कारण
• जल / वायु संबंधी कारक	• पेड़ा कृषि की अधिकता
• ढलानी का बहाव तेज	• वनोन्मूलन आदि
• अभीन पठारी एवं उबड़ खाबड़	

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

प्रभाव – मृदा निम्नीकरण
↳ क्षेत्र संबंधित समस्याएं
↳ कृषि अल्प विकास

निदान → समोच्च कृषि की जाए जो ढाल के विपरीत दिशा में हो।
→ वृक्षारोपण के माध्यम से जल संभरण को सुनिश्चित किया जाए।
– वनीकरण मुख्यतः क्षेत्र विशेष एवं प्रभावित क्षेत्रों में अधिक किया जाए।
– कृषि पद्धतियों परिवर्तन जैसे – मल्चिंग, भू परिष्करण आदि।
– पशुचारण नियंत्रित किया जाए।
– सामुदायिक सहयोग सुनिश्चित

– निष्कर्ष मृदा अपरदन की समस्या को शासन व समुदाय आधारित सहयोग से रोका जा सकता है।

2

Scanned with CamScanner

13

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में खनिज आधारित उद्योगों की महत्ती आवश्यकता एवं भूमिका है। राज्य की जीडीपी में उद्योगों का योगदान लगभग 24 प्रतिशत (2017-18) है। निश्चित ही यह योगदान अन्य राज्यों की तुलना में कम है परन्तु

मध्यप्रदेश में उद्योगों के विकास हेतु 1965 में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम की स्थापना की गई थी एवं पहली औद्योगिक नीति 1972 एवं नई नीति 2010 में तैयार की गई।

मध्यप्रदेश में खनिज आधारित उद्योगों का वर्गीकरण :

1) सीमेंट उद्योग : राज्य में लगभग 50 कारखाने हैं

- बानमोर फैक्ट्री - 1922 में मुरैना जिले में शुरू की गई।
- कैमूर फैक्ट्री - 1923 में कटनी जिले में, यहां एस्बेस्टॉस की मौजूदगी है अतः सीमेंट की चादरें बनाने का कारखाना स्थापित।
- सतना सीमेंट वर्क्स - 1959 में
  - बिड़ला जूट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी द्वारा स्थापित में पोर्टलैंड सीमेंट का कारखाना।
- मैहर फैक्ट्री - 1980-81 में स्थापित।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

• नीमच फैक्ट्री – मंदसौर जिले (1980-81).

2) चीनी मिट्टी उद्योग – यहां चीनी मिट्टी फायरक्ले की मौजूदगी है। यह अत्यधिक सुघट्य, उच्च ताप सह खनिज है, जो सेडेंटरी प्रकार की मिट्टी है। यह छिंदवाड़ा, जबलपुर की गोंडवाना युग चट्टान में पाया जाता है।
– ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम में चीनी मिट्टी के बर्तन निर्मित

3) उर्वरक उद्योग : झाबुआ में मौजूद रॉकफास्फेट का प्रयोग उर्वरक बनाने में
गुना में उर्वरक कारखाना

4) हीरा उद्योग – हीरे के भण्डार में मं.प्र. प्रथम स्थान पर है। पन्ना, सतना, छतरपुर जिले में खनिज
– यहां हीरा परिस्करण हेतु उन्नत संयंत्र

5) भारी विद्युत उपकरण – भोपाल में 1960 में ब्रिटेन के सहयोग से भेल का गठन – यहां बिजली का भारी सामान बनाने का कारखाना

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

6) कोयला आधारित उद्योग :- कोयला उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। सिंगरौली प्रमुख क्षेत्र
- एनटीपीसी व म.प्र. विद्युत मण्डल द्वारा अनेक ताप विद्युत गृह -
- यहां कोयले से बिजली का निर्माण

अन्य उद्योग : मालनजखण्ड - तांबा उद्योग
मंदसौर - स्लेट उद्योग
गुना - सायकिल उद्योग
बालाघाट/छिंदवाड़ा - मैंगनीज उद्योग

निष्कर्षतः मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास दर उच्च बनाने हेतु उद्योगों का संवर्धन एवं उन्नयन आवश्यक है। खनिज संपन्नता के साथ मानविक संपन्नता होना जरूरी है।

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

किसी क्षेत्र विशेष में समय अनुसार मौजूद लोगों की संख्या को जनसंख्या कहा जाता है। इसी जनसंख्या की प्रति दस (10) वर्ष के अन्तराल में राष्ट्रीय गणना करना जनगणना कहलाता है।

भारत में 1872 में सर्वप्रथम जनगणना का कार्य लार्ड मेयो के शासनकाल में शुरु हुआ तदोपरांत 1881 से संक्रमात प्रति 10 वर्ष अंतराल से अनियमित जनगणना की शुरुआत लार्ड रिपन के शासनकाल से शुरु हुई।

भारत में जनगणना का कार्य गृहमंत्रालय द्वारा जनगणना पंजीपत्र के माध्यम से किया जाता है। अंतिम जनगणना 2011 में संपन्न हुई थी।

2011 की जनगणना की अहम विशेषताएं भारत के संदर्भ में:

- जनसंख्या – 121 करोड़ लगभग
- जनसंख्या वृद्धि – 17.7%
- जनघनत्व – 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.
- साक्षरता – 74%।

इसमें पुरुष साक्षरता = 80%, एवं महिला साक्षरता = 69% है।

आजादी उपरांत महिला साक्षरता मात्र 8.09% थी अतः साक्षरता में वृद्धि हुई है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

- देश में सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य बिहार (1027) एवं कम जनघनत्व वाला राज्य अरुणाचल प्रदेश (17) है।
- सर्वाधिक साक्षर राज्य - केरल
  न्यूनतम साक्षर जिला - अलीराजपुर (म.प्र.)
- भारत में नागालैण्ड राज्य में नकारात्मक वृद्धि दर (जनसंख्या) दर्ज की गई।
- भारत का लिंगानुपात - 945/1000 जिसमें सर्वाधिक लिंगानुपात राज्य - केरल एवं न्यूनतम लिंगानुपात राज्य हरियाणा है।
-

मध्यप्रदेश संदर्भ में -

- जनसंख्या - लगभग 7 करोड़ (राज्य में छठवां सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य)
- जनघनत्व - 239 236
  सर्वाधिक - भोपाल
  न्यूनतम - डिण्डोरी
- साक्षरता - 69.7%
  सर्वाधिक - जबलपुर
  न्यूनतम - अलीराजपुर

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सर्वाधिक महिला साक्षरता - भोपाल
न्यूनतम - अलीराजपुर
- पुरुष साक्षरता - 78%
महिला साक्षरता - 59%
→ लिंगानुपात - 919
सर्वाधिक - बालाघाट
न्यूनतम - भिण्ड

INDORE KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner